60

संसद की प्रथम बैठक की साठवीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्य सभा की विशेष बैठक में स्वीकृत संकल्प

13 मई 2012

राज्य सभा सचिवालय
RAJYA SABHA SECRETARIAT

60

संसद की प्रथम बैठक की साठवीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्य सभा की विशेष बैठक में स्वीकृत संकल्प

13 मई 2012

"हम, राज्य सभा के सदस्यगण, संसद की प्रथम बैठक की साठवीं वर्षगांठ मनाने हेतु सभा की विशेष बैठक में:

- देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए महान बलिदानों तथा मानव जाति में समानता, बंधुत्व, न्याय, भाईचारा बनाए रखने तथा समाज के वंचित और दलित वर्गों के उत्थान को आज्ञापक बनाने में संविधान निर्माताओं द्वारा निभाई गई शानदार भूमिका को कृतज्ञता के साथ स्मरण करते हुए;
- लोकतांत्रिक मूल्यों को सजोने तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अनवरत रूप से कार्य करने वाले भारत के लोगों की परिपक्वता को संतोष और गर्व के साथ स्वीकार करते हुए;
- इस बात को ध्यान में रखते हुए कि विगत 60 वर्षों में संसद ने युगान्तकारी कानूनों के माध्यम से सभी मामलों में समानता और न्याय सुनिश्चित करने तथा संविधान में उल्लिखित आदर्शों के प्रति अपनी गहरी आस्था और प्रतिबद्धता के अनुसरण में एक समावेशी समाज की दिशा में निर्णायक कदम उठाए हैं;
- यह महसूस करते हुए कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है;
  एतदद्वारा अपने संस्थापक सदस्यों द्वारा संजोए गए आदर्शों के प्रति अपनी पूर्ण और अटूट प्रतिबद्धता की सत्यनिष्ठापूर्वक पुन: पुष्टि करते हैं और:
  - (क) संसद की गरिमा, अस्मिता और प्रभुत्व बनाए रखने;
  - (ख) संसद को परिवर्तन का एक कारगर माध्यम बनाने और लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों को मजबूत करने;
  - (ग) संसद के पर्यवेक्षण के माध्यम से सरकार की लोगों के प्रति जवाबदेही को बढ़ाने; और
  - (घ) राष्ट्र निर्माण के पुनीत कार्य में अपने को पूर्णत: पुन: समर्पित करने का संकल्प लेते हैं।''